आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–30 सितम्बर 2024 सान्ध्य समाचार

प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके स्वावलंबन के लिए शारदीय नवरात्रि के पहले दिन यानी 3 अक्टूबर को अपने महत्वाकांक्षी मिशन शक्ति कार्यक्रम के पांचवें चरण का शुभारंभ करने जा रही है। इस नए चरण के तहत महिलाओं के लिए, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में एक समर्पित स्वास्थ्य हेल्पलाइन– महिला स्वास्थ्य लाइन भी जल्द ही लांच किया जाएगा। वीमेन पावर लाइन 1090 की तर्ज पर हेल्पलाइन को शुरू किया जाएगा, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को सुलभ स्वास्थ्य सेवा सहायता प्रदान करना है, इस हेल्पलाइन के जरिए महिलाओं को स्त्री रोग विशेषज्ञों के साथ टेली–परामर्श की सुविधा दी जाएगी।

****

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कल से धान खरीद की प्रकिया शुरू होगी। लखनऊ संभाग के जनपदों में अलग–अलग तिथियों में खरीद होगी। हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर में पहली अक्टूबर तथा लखनऊ, रायबरेली व उन्नाव में पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ पहली नवंबर को खरीद होगी। धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रुपये व धान ग्रेड ए का 2320 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। किसानों को धान की उतराई, छनाई व सफाई की मद में 20 रुपये प्रति कुंतल की दर से प्रतिपूर्ति की जाएगी। उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में किसानों द्वारा धान बिक्री के लिए खाद्य–रसद विभाग व अन्य क्रय एजेंसियों के कुल 4000 क्रय केंद्र निर्धारित किए गए हैं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सुबह अपने गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 200 से अधिक लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निस्तारण का निर्देश दिया। श्री योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का निस्तारण अवश्य कराया जाएगा। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए गोवंश को अपने हाथों से गुड़ खिलाया।

****

बेमौसम सितंबर और अक्टूबर के महीने में कई बार बारिश होने से किसान जल्दीबाजी करते हुए धान की फसल काटने का फैसला ले लेते हैं। लेकिन ऐसा कदापि नहीं करना चाहिए, ऐसा करने से धान के उत्पादन पर असर पड़ता है।

यह जानकारी आज देते हुए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि वर्तमान समय में धान की फसल में किसान भाइयों को अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। जिन किसानों ने धान की अगैती रोपाई की थी, उनकी फसल पककर तैयार हो रही है। कई जगहों पर धान की बालियों में दाने बनने की प्रक्रिया चल रही ह\। ऐसे समय में फसल को काटने से उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

****

बहराइच के मैकू पुरवा गांव में आज सुबह आदमखोर तेंदुआ को वन विभाग की टीम ने अपने पिंजरे में कैद कर लिया। तेंदुए को रेस्क्यू करने के बाद जिला प्रशासन वन विभाग और ग्रामीणों ने भी राहत की सांस ली है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाव के ककरहा वन रेंज अंतर्गत नौबना जंगल के किनारे मौकू पुरवां गांव है। यहां पर जंगल के रास्ते बीते दिनों एक आदमखोर तेंदुआ आ गया था। कल दोपहर को खेत में काम करते हुए ग्रामीणों पर तेंदुऐ ने हमला भी किया था इससे गांव के लोग दहशतमें थे। तेंदुऐ की जानकारी मिलने के बाद जिला प्रशासन ने इलाके में कैंप कर तेंदुए के लिए जाल फैलाया। जिसके बाद तेंदुए को पकड़ने में सफलता मिली है।

****

कुशीनगर जिले में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत दीवानी न्यायालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर अपर जिला जज की अगुवाई में मुख्य गेट के आस–पास रहने वाले दुकानदारों को स्वच्छता की अहमियत बताई गई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन का मूलमंत्र है।

****

पोषण माह के अंतर्गत गोरखपुर के चरगांवा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आज 'स्वच्छता पोषण संवाद' का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में एनीमिया से बचाव में सही पोषण की भूमिका के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। गर्भवती और किशोरियों के हीमोग्लोबिन की जांच की गई और प्रतिभागी किशोरियों के बीच सैनेट्री पैड व आयरन फोलिक की गोलियों का वितरण किया गया। उधर, 'मऊ में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही

विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

****

आज विश्व अनुवाद दिवस है। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के रूप में अनुवाद की भूमिका पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को दुनिया की साहित्यिक विरासत के संरक्षण के बारे में जागरूक करना था। विश्व विद्यालय में भारतीय भाषा अनुवाद केन्द्र के प्रोफेसर गंगासहाय मीना ने कहा कि अनुवाद, भाषा संस्कृति और समाज के बीच का सेतु है।

****